श्रीवृन्दावनचन्द्राय नमः ।

श्रीवृन्दावन ।

अर्थात्

श्रीवृन्दावन

के

प्राचीन-काल, मध्य-काल और वर्त्तमान-काल

का

पौराणिक तथा ऐतिहासिक वणन ।

"सरस्वती" तथा "वैष्णवसर्वस्व"

से

पुनर्मुद्रित ।

श्रीकिशोरीलालगोस्वामि-लिखित

द्वितीयबार } सन् १९२७ ई० { मूल्य दो आने